I.C.S.E

कक्षा : IX - X

हिन्दी

समय: 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. ऐसा क्यों कहा जाता है कि श्रम ही जीवन है। श्रम की महत्ता बताते हुए परिश्रम पर अपने विचार प्रकट करें।
2. विद्यालय में प्रत्येक वर्ष वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाता है अपने ऐसे ही किसी वार्षिकोत्सव का वर्णन कीजिए।

3. जीव जंतु मानव की ज़िन्दगी का एक अविभाज्य अंग है इस आधार बताइए कि किस प्रकार जीव-जंतु किस प्रकार से मानव के लिए उपयोगी है।

4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : -

'जैसी करनी वैसी भरनी।'

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) नगर में बढ़ते अवैध निर्माण की समस्या की ओर प्रकाशन का ध्यान आकृष्ट करने के लिए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखें।

(ii) आपकी मित्र किसी खेल प्रतियोगिता के लिए विदेश जा रही है। मंगलकामना करते हुए उसे पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

दहेज एक विकट समस्या है। दहेज-प्रथा का उद्भव कब और कहाँ हुआ यह कह पाना असंभव है। विश्व के विभिन्न सभ्यताओं में दहेज लेने और देने के पुख्ता प्रमाण मिलते हैं। इससे यह तो स्पष्ट होता है कि दहेज का इतिहास अत्यन्त प्राचीन है। आज दहेज एक बुरे का रूप धारण करती जा रही है। इस दहेज प्रथा की बीमारी की जड़ एक तो काला धन है, दूसरे मनुष्य की लोभ की दुष्प्रवृत्ति इस कार्य को और प्रेरित करती है।

आज हमारी सरकारों द्वारा लड़कियों के उत्थान व विकास के लिए अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिनमें शिक्षा, रोजगार सहित विवाहोपरांत मदद भी शामिल है। यह सब इसलिए ताकि बेटियों के परिवारों को बेटियाँ बोझ न लगें और लड़कियाँ आत्मनिर्भर हो सकें। दहेज लेना और देना तो कानूनन अपराध है ही। सरकार ने भी दहेज प्रथा के विरूद्ध कानून बना दिया है। आज इस प्रथा के विरोध में कई जन-जागृति अभियान चलाए जा रहे हैं। लड़कियाँ आज शिक्षित और आत्म-निर्भर होने के कारण स्वयं दहेज लेने वाले परिवार को ठुकराया रही है आज अंतर्जातीय विवाह होने लगे हैं जिसमें लड़का और लड़की समान विचार धारा के होने के कारण दहेज के लिए कोई स्थान ही नहीं बचता है। इसलिए आने वाले समय इस प्रथा का धीरे-धीरे समूल नाश हो ही जाएगा।

1. दहेज का इतिहास अत्यंत प्राचीन है यह हम कैसे कह सकते हैं? [2]
2. दहेज लेने के क्या कारण हो सकते हैं [2]
3. सरकार इस समस्या को निपटने के लिए क्या प्रयास कर रही है? [2]
4. वर्तमान में दहेज प्रथा के लिए स्थान क्यों नहीं बचता? [2]
5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए। [2]

Q. 4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
    - बेईमानी -
    - खेल -

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
    - उद्देश्य -
    - कपट -

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
    - जागरण -
    - खाद्य -
    - गोचर -
    - चढ़ाव -

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
    - दास -
    - वकील -

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
    - आस्तीन का साँप -
    - उँगली उठाना -

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

(a) पिताजी का निर्णय सुनकर वह अप्रसन्न हुआ। [1]

(b) मैं चल नहीं सकता। ('मैं' के स्थान पर 'से' का प्रयोग कीजिए) [1]

(c) मोहित विद्यालय जाता है। (भूतकाल में बदलिए) [1]

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर गद्य)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह सोचता, "यहाँ इतने सालों से हूँ। अमीर लोग नौकरों पर विश्वास नहीं करते पर मुझपर यहाँ कभी किसी ने संदेह नहीं किया। यहाँ से जाऊँ तो शायद कोई ग्यारह-बारह दे दे, पर ऐसा आदर नहीं मिलेगा।"

पाठ - बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

1. उपर्युक्त वाक्य के वक्ता का परिचय दें।? [2]
2. रसीला बार-बार किससे, कौन-सी और क्यों प्रार्थना करता था? [2]
3. वेतन की बात पर इंजीनियर बाबू जगतसिंह का जवाब क्या होता था? [3]
4. तनख्वाह न बढ़ाने के बावजूद रसीला नौकरी क्यों नहीं छोड़ना चाहता था? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वाह भाई! क्या आइडिया है। मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती, लेकिन चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है?

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयंप्रकाश

1. प्रस्तुत कथन के वक्ता का परिचय दें। [2]
2. प्रस्तुत कथन के श्रोता का परिचय दें। [2]
3. कस्बे से गुजरते समय हालदार साहब को क्या आदत पड़ गई थी? [3]
4. मूर्ति का चश्मा हर-बार कौन और क्यों बदल देता था? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'पर सब दिन न जात एक समान अकस्मात् दिन फिरे और सेठ जी को गरीबी का मुँह देखना पड़ा।'

पाठ - महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक - यशपाल

1. प्रस्तुत पाठ के आधार पर सेठ जी की विशेषताएँ बताइए। [2]
2. सेठजी के दुःख का कारण क्या था? [2]
3. सेठानी ने सेठ को क्या सलाह और क्यों दी? [3]
4. धन्ना सेठ की पत्नी के संबंध में क्या अफ़वाह थी? [3]

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाये
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाये
बाँकी चितवन उठा नदी, ठिठकी, घूँघट सरकाए।

कविता - मेघ आए
कवि-सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

1. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए? [2]
2. 'बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरकाए।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]
3. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - बन ठन के, बाँकी चितवन, पाहून, ठिठकना [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
झरने अनेक झरते जिसकी पहाड़ियों में,
चिड़िया चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।
अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है,
बहती मलय पवन है, तन मन सँवारती है।
वह धर्मभूमि मेरी, वह कर्मभूमि मेरी।

कविता - वह जन्मभूमि मेरी
कवि - सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि ने भारत के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया है? [2]
2. झरने कहाँ झरते हैं? [2]
3. भारत की हवा कैसी है? उसका हम पर क्या प्रभाव होता है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए :
   1. अमराइयाँ, मलय, पवन, घनी, तन, कोयल [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गुरु गोबिंद दोऊ खड़े, काके लागू पायँ।
बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोबिंद दियौ बताय॥
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि॥

कविता - साखी

कवि - कबीरदास

1. कबीर के गुरु के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। [2]
2. कबीर के अनुसार कौन परमात्मा से मिलने का रास्ता दिखाता है? [2]
3. 'जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।' - का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। [3]
4. यहाँ पर 'मैं' और 'हरि' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? [3]

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो पाती तो कुल धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती। स्वयं उसने मुझसे कहा था, संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है।

एकांकी-संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रहा और क्यों? [2]
2. माँ ने अपने विचारों के प्रति क्या पश्चाताप किया है? [2]

3. अतुल और उमा माँ के किस निर्णय से प्रसन्न हैं? [3]
4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'तुम कभी रात में अकेले नहीं जाओगे। चारों तरफ़ ज़हरीले सर्प घूम रहे हैं। किसी समय भी तुम्हें डस सकते हैं।'

एकांकी - दीपदान
लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. वक्ता कौन है? उसका परिचय दीजिए। [2]
2. श्रोता कौन है? उसका वक्ता से क्या संबंध है? [2]
3. वक्ता के उपर्युक्त कथन कहने के पीछे क्या कारण था? [3]
4. वक्ता श्रोता की सुरक्षा के प्रति चिंतित क्यों रहती थी? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जिस राज्य पर रत्ती भर भी अधिकार नहीं था, उसी को पाने के लिए तुमने युद्ध ठाना, यह स्वार्थ का तांडव नृत्य नहीं तो और क्या है? भला किस न्याय से तुम राज्याधिकार की माँग करते थे?

एकांकी - महाभारत की एक साँझ
लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता तथा श्रोता के बारे में बताइए। [2]
2. उपर्युक्त अवतरण में किस अधिकार की बात की जा रही है? [2]
3. प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य लिखिए। [3]
4. महाभारत के युद्ध से हमें कौन-सी सीख मिलती है? [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह समझ नहीं पा रही थी कि हमारे समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों? यदि कोई लड़का अकेला रहता है तो समाज उस पर अंगुलियाँ नहीं उठाता, चाहे वह कितना ही अपराध क्यों न करता हो परंतु एक लड़की,चाहे वह कितना ही संयम शील जीवन क्यों न व्यतीत करती हो, फिर भी समाज उस पर दोषारोपण करता है।

1. किसी बातें सुनकर वक्ता इतनी परेशान है? [2]
2. समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों है? [2]
3. लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ क्यों आती है? [3]
4. इन पक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए? [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]
2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]
3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]
4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी नीलिमा ने मीनू को शादी के बारे में पूछ लिया, "मीनू, तू शादी नहीं कर रही है अभी? मैंने सुना है आशा का रिश्ता हो गया है।"

"हाँ नीलिमा ! आशा का रिश्ता हो गया है। लड़का इंजीनियर है। घर भी अच्छा है।"

"पर मीनू, तू शादी के लिए तैयार क्यों नहीं है?" "नीलिमा ने पूछा।

"नीलिमा, अब मैं कुछ निराश सी हो गई हूँ। कौन करेगा मुझसे शादी?"

1. नीलिमा कौन है? वह मीनू को राय क्यों दे रही है? [2]
2. शादी के नाम से मीनू उदास क्यों हो जाती है? [2]
3. नीलिमा उसकी शादी के लिए उत्साहित क्यों है? [3]
4. "कौन करेगा मुझसे शादी?" भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. ऐसा क्यों कहा जाता है कि श्रम ही जीवन है। श्रम की महत्ता बताते हुए परिश्रम पर अपने विचार प्रकट करें।

परिश्रम का अर्थ है उद्दयम अथवा 'मेहनत'। परिश्रम वह माध्यम है जो मनुष्य को अपने लक्ष्य तक पहुँचाता है।

परिश्रम का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है। मनुष्य परिश्रम के द्वारा कठिन से कठिन कार्य सिद्ध कर सकता है। मेहनत के ही द्वारा मनुष्य अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। हर मानव की कुछ इच्छाएँ व आवश्यकता होती हैं। वह सुख शांति की कामना करता है, दुनिया में नाम की इच्छा रखता है। किन्तु कल्पना से ही सब कार्य सिद्ध नहीं हो जाते, उसके लिए हमें कठिन परिश्रम का सहारा लेना पड़ता है।

परिश्रम के बल पर मानव अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुँच सकता है। परिश्रम के ही बल पर मनुष्य अपना भाग्य बना सकता है। परिश्रम केवल अकेले मनुष्य के लिए ही नहीं लाभदायक होता है। हम देख सकते हैं, कि जिस देश के लोग परिश्रमी होते हैं, वह पूरा देश तरक्की प्राप्त करता है। अमरीका, चीन, रूस और जापान, इसके उदहारण हैं। भारत के टाटा, बाटा, बिड़ला, रिलायंस आदि धनकुबेरों ने अपने अनुभव बतलाते हुए यही कहा है कि वे लोग जन्मजात धन संपन्न नहीं थे। उनकी इस विशाल संपत्ति का मूलाधार वह अगाध परिश्रम ही रहा है जिससे उन्होंने कभी मुँह नहीं चुराया। परिश्रम करते-करते उनमें प्रतिभा का भी विकास होता गया जिससे वे इतने लंबे-चौड़े कारोबार की स्थापना कर सके। प्रबंध एवं संचालन में सफल हो सके। प्रकृति भी हमें परिश्रम करने की प्रेरणा देती है। चींटियाँ और मधुमक्खियाँ प्रकृति की प्रेरणा स्त्रोत हैं। छात्रों के जीवन में तो परिश्रम का बहुत अधिक महत्त्व होता है। मानव का शारीरिक व मानसिक विकास भी परिश्रम पर निर्भर करता है। आधुनिक मनुष्य वैज्ञानिक यंत्रों का पुजारी बनता जा रहा है।परिश्रम की ओर से लापरवाही इसमें घर करती जा रही हैं। नैतिक पतन हो रहा है जिससे अशांति फैलती जा रही है। फलस्वरूप समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए भी परिश्रम आवश्यक है।

कुछ लोग सफ़लता का राज़, परिश्रम की जगह भाग्य को मानते हैं। उनका कहना होता है, कि भाग्य में जो लिखा होता है, उसे टाला नहीं जा

सकता। यह बात असत्य है। मनुष्य यदि परिश्रम करे, तो होनी को भी टाल सकता है। किसी ने सत्य ही कहा है, कि परिश्रम ही सफ़लता की कुंजी है। एक आलसी व अकर्मण्य मानव कभी अपना लक्ष्य नहीं प्राप्त कर सकता। भाग्य के सहारे बैठने से कार्य संपन्न नहीं होते। विद्यार्थी वर्ग को भी परीक्षा में सफलता पाने के लिये अटूट श्रम करना पड़ता है। मानव परिश्रम से अपने भाग्य को बना सकता है, कहा जाता है कि ईश्वर भी उन्ही की मदद करता है जो अपनी मदद स्वयं करते हैं। जैसे सोये हुए शेर के मुख में पशु स्वयं ही प्रवेश नहीं करता उसे भी परिश्रम करना पड़ता है, वैसे ही केवल मन की इच्छा से काम सिद्ध नही होते उनके लिये परिश्रम करना पड़ता है

परिश्रम व सफलता का आपस में बड़ा गहरा संबंध है। हमें तभी सफलता मिलती है जब हम परिश्रम करते हैं। परिश्रम से मनुष्य सदैव मेहनती बना रहता है, परिश्रम जीवन को गति प्रदान करता है। यह मनुष्य के जीवन में बहुत ही महत्व रखता है। परिश्रम की उपेक्षा मनुष्य को निकम्मा व असफल बना देती है। परिश्रम समस्त कठिनाइयों से निकालने में समर्थ होता है। परिश्रमी मनुष्य भाग्य के भरोसे नहीं बैठे रहते हैं। परिश्रम के दम पर कई महान विभूतियों ने अंसभव कार्यों को संभव कर दिखाया है। जिस देश में लोग परिश्रम करते हैं, वह देश उन्नति, विकास और सफलता के शिखर पर खड़ा रहता है।

अत: हम कह सकते हैं कि मेहनत वह सुनहरी कुंजी है जो भाग्य के बंद कपाट खोल देती है। परिश्रम ही जीवन की सफलता का रहस्य है।

2. विद्यालय में प्रत्येक वर्ष वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाता है अपने ऐसे ही किसी वार्षिकोत्सव का वर्णन कीजिए।

विद्यालय अर्थात्+आलय यानी विद्या का घर। मैं गांधी माध्यमिक विद्यालय में पढ़ता हूँ। यह नगर के मध्य नई सड़क पर स्थित है। मेरे विद्यालय का भवन नवनिर्मित है अत: भव्य और सर्वसुविधाओं से युक्त है। सभी गुरुजन विद्वान, परिश्रमी एवं छात्रों को हर समय मार्गदर्शन देते हैं। हमारे विद्यालय में अध्ययन के अतिरिक्त अन्य कार्यक्रम भी होते हैं। हर शनिवार को बालसभा होती है। गांधी जयंती, तुलसी जयंती, हिन्दी दिवस, बाल दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस आदि मनाए जाते हैं। बाल फिल्म एवं प्रकृति निरीक्षण हेतु ले जाया जाता है। खेलकूद, साहित्यिक प्रतियोगिताएँ होती हैं। विजेताओं को शाला के वार्षिक उत्सव में पुरस्कार दिए जाते हैं।

इन सबके अलावा वार्षिकोत्सव का हम सभी को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। वार्षिकोत्सव ऐसा उत्सव होता है जहाँ भयमुक्त होकर हम इसे एक साथ मिलजुलकर मनाते हैं।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमारे विद्यालय में वार्षिकोत्सव मनाया गया। हर बार की तरह ही वार्षिक उत्सव की योजना छात्रों और अध्यापकों ने साथ मिलकर बनाई थी। हमारे विद्यालय में हर वर्ष एक परिकल्पना के आधार पर वार्षिकोत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष हमारे वार्षिकोत्सव का विषय कन्या भ्रूण हत्या था। विषय के आधार पर अध्यापकों ने हम लोगों को दलों में बाँट लिया।

मुझे मंच-सज्जा और ध्वनि की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। कुछ छात्रों ने अध्यापकों के साथ मिलकर प्रस्तुतिकरण, एकांकी और गीत तैयार किए। लगातार एक महीने की कड़ी तैयारी के बाद हमारा कार्यक्रम तैयार हुआ। कार्यक्रम को देखने के लिए स्वयं राज्य के शिक्षामंत्री आने वाले थे। अत:

पूरा विद्यालय कड़ी मेहनत कर रहा था। कार्यक्रम की शुरुवात सरस्वती और गणेश वंदना से हुई। पूरा कार्यक्रम बड़ी ही सुंदर और आबाध गति से संपन्न हुआ। शिक्षामंत्री ने तो एकांकी ख़त्म होने पर खड़े होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। अंत में पुरस्कार वितरण और राष्ट्रीय गीत के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

3. जीव जंतु मानव की ज़िन्दगी का एक अविभाज्य अंग है इस आधार बताइए कि किस प्रकार जीव-जंतु किस प्रकार से मानव के लिए उपयोगी है।

जीव जंतु मानव की ज़िन्दगी का एक अविभाज्य अंग हैं, बहुत से लोग अक्सर जीव जंतुओं से डरते हैं, और उन्हें नुकसान भी पहुँचाते है। ये इसलिए होता है क्योंकि जीव जंतुओं के बारे में लोगों को कम जानकारी होती है। असल में वो मानव के लिए काफी उपयुक्त होते हैं, मानव के मित्र होते हैं। इस बात का उत्तम उदहारण है केंचुए, ये ज़मीन के नीचे रहते हैं और मानव को बिना कोई हानि पहुँचाएँ अपना जीवन व्यतीत करते हैं, इनकी उपयोगिता के बारे में शहरी लोगों से ज्यादा किसानों को जानकारी होती है, केंचुए ज़मीन के नीचे रहकर उसे भुरभुरा करते हैं, इससे ज़मीन कि उपज बढ़ती है और किसानों को आर्थिक फायदा होता है, ये होते हुए भी कई बार लोग केंचुए को नुकसान पहुँचाते है, कभी डर कि वजह से तो कभी मज़े के लिए, मानवों को ये समझने कि ज़रूरत है कि ऐसा करना गलत है और उसे टालने के लिए जीव जंतुओं के बारे में बचपन से जानकारी दी जाना ज़रूरी है। जीव-जंतु का विनाश करने से प्रकृति का भी संतुलन बिगड़ता है। पशु-पक्षी आदि, प्राकृतिक संतुलन के अभिन्न अंग होते है। प्रकृति की एक समग्र जैव व्यवस्था होती है। उसमें मानव का स्वार्थपूर्ण दखल पूरी व्यवस्था को विचलित कर देता है। जीव-जंतु हमारी ही भांति इस प्रकृति के आयोजन-नियोजन का अटूट हिस्सा

होते है। वे पूरे सिस्टम को आधार प्रदान करते है। इसीलिए विश्व के सभी धर्मों के प्रणेता व महापुरूष, हिंसा, क्रूरता, जीवों को अकारण कष्ट व पीड़ा देने को गुनाह कहते है। वे प्रकृति के संसाधनों के मर्यादित उपभोग की सलाह देते है।

4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : -

'जैसी करनी वैसी भरनी।'

हमारे बढ़े बूढ़े हमेशा कहते हैं कि जैसा करोगे वैसा ही भरोगे। आज मैं आपको बहुत पुरानी कहानी बताने जा रहा हूँ जो हमें हमारे पंचतंत्र की कहानियों में सुनने के लिए आज भी मिलती है।

किसी नगर में एक व्यापारी का पुत्र रहता था। दुर्भाग्य से उसकी सारी संपत्ति समाप्त हो गई। इसलिए उसने सोचा कि किसी दूसरे देश में जाकर व्यापार किया जाए। उसके पास एक भारी और मूल्यवान तराजू था। उसका वजन बीस किलो था। उसने अपने तराजू को एक सेठ के पास धरोहर रख दिया और व्यापार करने दूसरे देश चला गया।

कई देशों में घूमकर उसने व्यापार किया और खूब धन कमाकर वह घर वापस लौटा। एक दिन उसने सेठ से अपना तराजू माँगा। सेठ बेईमानी पर उतर गया। वह बोला, 'भाई तुम्हारे तराजू को तो चूहे खा गए।' व्यापारी पुत्र ने मन-ही-मन कुछ सोचा और सेठ से बोला- 'सेठ जी, जब चूहे तराजू को खा गए तो आप कर भी क्या कर सकते हैं! मैं नदी में स्नान करने जा रहा हूँ। यदि आप अपने पुत्र को मेरे साथ नदी तक भेज दें तो बड़ी कृपा होगी।'

सेठ मन-ही-मन भयभीत था कि व्यापारी का पुत्र उस पर चोरी का आरोप न लगा दे। उसने आसानी से बात बनते न देखी तो अपने पुत्र को उसके साथ भेज दिया। स्नान करने के बाद व्यापारी के पुत्र ने लड़के को एक

गुफ़ा में छिपा दिया। उसने गुफा का द्वार चट्टान से बंद कर दिया और अकेला ही सेठ के पास लौट आया।

सेठ ने पूछा, 'मेरा बेटा कहाँ रह गया?' इस पर व्यापारी के पुत्र ने उत्तर दिया, 'जब हम नदी किनारे बैठे थे तो एक बड़ा सा बाज आया और झपट्टा मारकर आपके पुत्र को उठाकर ले गया।' सेठ क्रोध से भर गया। उसने शोर मचाते हुए कहा - 'तुम झूठे और मक्कार हो। कोई बाज इतने बड़े लड़के को उठाकर कैसे ले जा सकता है? तुम मेरे पुत्र को वापस ले आओ नहीं तो मैं राजा से तुम्हारी शिकायत करूँगा' व्यापारी पुत्र ने कहा, 'आप ठीक कहते हैं।' दोनों न्याय पाने के लिए राजदरबार में पहुँचे। सेठ ने व्यापारी के पुत्र पर अपने पुत्र के अपहरण का आरोप लगाया। न्यायाधीश ने कहा, 'तुम सेठ के बेटे को वापस कर दो।' इस पर व्यापारी के पुत्र ने कहा कि 'मैं नदी के तट पर बैठा हुआ था कि एक बड़ा-सा बाज झपटा और सेठ के लड़के को पंजों में दबाकर उड़ गया। मैं उसे कहाँ से वापस कर दूँ?' न्यायाधीश ने कहा, 'तुम झूठ बोलते हो। एक बाज पक्षी इतने बड़े लड़के को कैसे उठाकर ले जा सकता है?'

इस पर व्यापारी के पुत्र ने कहा, 'यदि बीस किलो भार की मेरी लोहे की तराजू को साधारण चूहे खाकर पचा सकते हैं तो बाज पक्षी भी सेठ के लड़के को उठाकर ले जा सकता है।' न्यायाधीश ने सेठ से पूछा, 'यह सब क्या मामला है?' अंततः सेठ ने स्वयं सारी बात राजदरबार में उगल दी। न्यायाधीश ने व्यापारी के पुत्र को उसका तराजू दिलवा दिया और सेठ का पुत्र उसे वापस मिल गया।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

सिनेमा का पुराने समय से मनुष्य के साथ अति घनिष्ट सम्बन्ध रहा है। मनुष्य हमेशा से ही खोजी प्रवृत्ति का रहा है और इसी के फलस्वरूप इंसान ने अपने तथा दूसरों के मनोरंजन के लिए सिनेमा की खोज की। यह मनोरंजन का एक लोकप्रिय साधन है। हमारे मनोरंजन के लिए विज्ञान ने अनेक साधन प्रस्तुत किए हैं। रेडिओ, टीवी, सिनेमा आदि प्रमुख साधन है पर सिनेमा इनमें अधिक लोकप्रिय है। पहले मनुष्य ने बिना किसी आवाज के फिल्मों का निर्माण किया। फिर धीरे-धीरे बोलने वाली फिल्मों का उसके बाद रंगीन और अब तो हम सारे विश्व अपनी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। यह शिक्षा के प्रसार प्रचार का माध्यम भी है। इसके द्वारा समाज की अनेक कुरीतियों दिखाया जाता है और लोगों को जागरूक किया जाता है। सिनेमा के द्वारा चीज़ों का विज्ञापन के द्वारा प्रचार किया जाता है जिससे व्यापार को बढ़ावा मिलता है। सिनेमा बेकारी की समस्या को दूर करता है। सिनेमा हजारों लोगों को रोजगार देता है।

सिनेमा के लाभ के साथ कई हानियाँ भी जुड़ी हैं। सिनेमा की सबसे बड़ी हानि चरित्रहीनता और नैतिक पतन है। घटिया कहानी और अश्लील दृश्य युवक और युवतियों का चारित्रिक पतन करते हैं। अधिक सिनेमा देखने से आँखों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। आजकल अधिकतर फिल्मों में बहुत अश्लीलता और हिंसा दिखायी जाती है जो समाज के लिए बहुत हानिकारक है। इसे देखकर लोग अपराध भी करते हैं, इससे हिंसा, लूटमार और बेतुके फैशन की प्रवृति बढ़ती है। खासकर विद्यार्थी वर्ग

अपने पथ से भटक जाता है। स्वच्छ, श्रेष्ठ फ़िल्में अच्छा प्रभाव छोड़ती हैं। ऐसी फ़िल्में मार्ग-दर्शन करती हैं।

अतः सिनेमा समाज से जुड़ा हुआ हो, स्वच्छ हो तथा मार्गदर्शक हो तो यह मनोरंजन के साथ समाज को नई दिशा प्रदान कर सकता है।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) नगर में बढ़ते अवैध निर्माण की समस्या की ओर प्रकाशन का ध्यान आकृष्ट करने के लिए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखें।

सेवा में

संपादक

नवभारत टाईम्स

मुंबई

विषय: नगर में बढ़ते अवैध निर्माण के संदर्भ में पत्र।

महोदय

मैं आपके इस प्रतिष्ठित समाचार पत्र के माध्यम से नगर प्रशासन का ध्यान अवैध निर्माण की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। पिछले करीब डेढ़ वर्षों से हमारे नगर में अवैध निर्माण अपने चरम पर पहुँच चुका है मुख्य बाजार में बनी दुकानों के परिसर को दुकानदारों ने इतना बढ़ा दिया है कि जिसके कारण चलने और यातायात में हमेशा ही असुविधा बनी रहती है। परिसर बढ़ाने के अलावा ये अपने दुकानों का सामान भी दुकान से काफी आगे लगा देते हैं जिससे आए दिन कोई न कोई टकराकर गिर पड़ता है।

धर्म और निजी स्वार्थ के नाम पर भी अनेक छोटे-बड़े धर्मस्थलों का निर्माण बिना मंजूरी से धडल्ले से हो रहा है।

अत: आपसे अनुरोध है कि प्रशासन इस ओर ध्यान दें और उचित कार्यवाही करे।

सधन्यवाद।

भवदीय

कमल शर्मा

2/42, सरला निवास,

राम नगर,

मुंबई

दिनाँक - 27 फरवरी 2015

(ii) आपकी मित्र किसी खेल प्रतियोगिता के लिए विदेश जा रही है। मंगलकामना करते हुए उसे पत्र लिखिए।

102, मोहनगंज

गली नं - 5

रायपुर

दिनाँक - 2 अगस्त 2014

प्रिय सुमन

मधुर स्मृति।

मुझे यह जानकार हार्दिक प्रसन्नता हुई कि तुम्हारा चयन राष्ट्र मंडल खेल के लिए हुआ है। घर के अन्य सदस्य भी तुम्हारी इस उपलब्धता पर गर्वित महसूस कर रहे हैं और तुम्हारी सफलता की कामना कर रहे हैं। मेरी यह कामना है कि तुम इस प्रतियोगिता के हर स्तर पर कामयाब रहो और अपने सपने को पूरा करो।

तुम्हारी यात्रा मंगलमय और आनंदमय हो।
शेष मिलने पर।
तुम्हारी सहेली
शुचिता

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

दहेज एक विकट समस्या है। दहेज-प्रथा का उद्भव कब और कहाँ हुआ यह कह पाना असंभव है। विश्व के विभिन्न सभ्यताओं में दहेज लेने और देने के पुख्ता प्रमाण मिलते हैं। इससे यह तो स्पष्ट होता है कि दहेज का इतिहास अत्यन्त प्राचीन है। आज दहेज एक बुरे का रूप धारण करती जा रही है। इस दहेज प्रथा की बीमारी की जड़ एक तो काला धन है, दूसरे मनुष्य की लोभ की दुष्प्रवृत्ति इस कार्य को और प्रेरित करती है।

आज हमारी सरकारों द्वारा लड़कियों के उत्थान व विकास के लिए अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिनमें शिक्षा, रोजगार सहित विवाहोपरांत मदद भी शामिल है। यह सब इसलिए ताकि बेटियों के परिवारों को बेटियाँ बोझ न लगें और लड़कियाँ आत्मनिर्भर हो सकें। दहेज लेना और देना तो कानूनन अपराध है ही। सरकार ने भी दहेज प्रथा के विरूद्ध कानून बना दिया है। आज इस प्रथा के विरोध में कई जन-जागृति अभियान चलाए जा रहे हैं। लड़कियाँ आज शिक्षित और आत्म-निर्भर होने के कारण स्वयं दहेज लेने वाले परिवार को ठुकराया रही है आज अंतर्जातीय विवाह होने लगे हैं जिसमें लड़का और लड़की समान विचार धारा के होने के कारण दहेज के लिए कोई स्थान ही नहीं बचता है। इसलिए आने वाले समय इस प्रथा का धीरे-धीरे समूल नाश हो ही जाएगा।

1. दहेज का इतिहास अत्यंत प्राचीन है यह हम कैसे कह सकते हैं? [2]

उत्तर : दहेज-प्रथा का उद्भव कब और कहाँ हुआ यह कह पाना असंभव है। विश्व के विभिन्न सभ्यताओं में दहेज लेने और देने के पुख्ता प्रमाण मिलते हैं। इससे यह तो स्पष्ट होता है कि दहेज का इतिहास अत्यंत प्राचीन है।

2. दहेज लेने के क्या कारण हो सकते हैं [2]

उत्तर : दहेज लेने के कारण काला धन और मनुष्य की लोभ की दुष्प्रवृत्ति हो सकते हैं।

3. सरकार इस समस्या को निपटने के लिए क्या प्रयास कर रही है? [2]

उत्तर : आज हमारी सरकारों द्वारा लड़कियों के उत्थान व विकास के लिए अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिनमें शिक्षा, रोजगार सहित विवाहोपरांत मदद भी शामिल है। इस प्रथा को रोकने के लिए सरकार ने कड़े कानून भी बनाए है।

4. वर्तमान में दहेज प्रथा के लिए स्थान क्यों नहीं बचता? [2]

उत्तर : लड़कियाँ आज शिक्षित और आत्म-निर्भर होने के कारण स्वयं दहेज लेने वाले परिवार को ठुकराया रही है आज अंतर्जातीय विवाह होने लगे हैं जिसमें लड़का और लड़की समान विचार धारा के होने के कारण दहेज के लिए कोई स्थान ही नहीं बचता है।

5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'दहेज प्रथा का भविष्य' हो सकता है।

Q. 4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - बेईमानी - बेईमान
   - खेल - खिलाड़ी

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - उद्देश्य - लक्ष्य, ध्येय, मकसद,
   - कपट - छल, धोखा,

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - जागरण - निद्रा
   - खाद्य - अखाद्य
   - गोचर - अगोचर
   - चढ़ाव - उतार

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - दास - दासता
   - वकील - वकालत

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
   - आस्तीन का साँप - रमेश जैसे धोखेबाज मित्र से दूर रहना वह तो आस्तीन का साँप है।
   - उँगली उठाना - रामप्रसाद जैसे ईमानदार व्यक्ति पर तुम उँगली नहीं उठा सकते।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

(a) पिताजी का निर्णय सुनकर वह अप्रसन्न हुआ। [1]

उत्तर : पिताजी का निर्णय सुनकर उसे प्रसन्नता नहीं हुई ।

(b) मैं चल नहीं सकता। [1]

('मैं' के स्थान पर 'से' का प्रयोग कीजिए)

उत्तर : मुझसे चला नहीं जाता।

(c) मोहित विद्यालय जाता है। [1]

(भूतकाल में बदलिए)

उत्तर : मोहित विद्यालय गया।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर गद्य)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह सोचता, "यहाँ इतने सालों से हूँ। अमीर लोग नौकरों पर विश्वास नहीं करते पर मुझपर यहाँ कभी किसी ने संदेह नहीं किया। यहाँ से जाऊँ तो शायद कोई ग्यारह-बारह दे दे, पर ऐसा आदर नहीं मिलेगा।"

पाठ - बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

1. उपर्युक्त वाक्य के वक्ता का परिचय दें।? [2]

उत्तर : उपर्युक्त वाक्य का वक्ता इंजीनियर बाबू जगतसिंह का नौकर रसीला है। वह सालों से इंजीनियर बाबू जगतसिंह के यहाँ नौकर है।

2. रसीला बार-बार किससे, कौन-सी और क्यों प्रार्थना करता था? [2]

उत्तर : रसीला इंजीनियर बाबू जगतसिंह का नौकर था। वह सालों से इंजीनियर बाबू जगतसिंह के यहाँ नौकर था। उसे दस रूपए वेतन मिलता था। गाँव में उसके बूढ़े पिता, पत्नी, एक लड़की और दो लड़के थे। इन सबका भार उसी के कंधों पर था। इसी कारण वह बार-बार अपने मालिक इंजीनियर बाबू जगतसिंह से अपना वेतन बढ़ाने की प्रार्थना करता था।

3. वेतन की बात पर इंजीनियर बाबू जगतसिंह का जवाब क्या होता था? [3]

उत्तर : रसीला इंजीनियर बाबू जगतसिंह का नौकर था। वह सालों से इंजीनियर बाबू जगतसिंह के यहाँ नौकर था। उसे दस रूपए वेतन मिलता था। गाँव में उसके बूढ़े पिता, पत्नी, एक लड़की और दो लड़के थे। इन सबका भार उसी के कंधों पर था। इसी कारण वह बार-बार अपने मालिक इंजीनियर बाबू जगतसिंह से अपना वेतन बढ़ाने की माँग करता था। परंतु हर बार इंजीनियर साहब का यही जवाब होता था कि वे रसीला की तनख्वाह नहीं बढ़ाएँगे यदि उसे यहाँ से ज्यादा और कोई तनख्वाह देता है तो वह बेशक जा सकता है।

4. तनख्वाह न बढ़ाने के बावजूद रसीला नौकरी क्यों नहीं छोड़ना चाहता था? [3]

उत्तर : रसीला बार-बार अपने मालिक से तनख्वाह बढ़ाने की माँग करता था और हर बार उसकी माँग ठुकरा दी जाती थी परंतु इस सबके बावजूद रसीला यह नौकरी नहीं छोड़ना चाहता था क्योंकि वह जानता था कि अमीर लोग किसी पर विश्वास नहीं करते हैं। यहाँ

पर रसीला सालों से नौकरी कर रहा था और कभी किसी ने उस पर संदेह नहीं किया था। दूसरी जगह भले उसे यहाँ से ज्यादा तनख्वाह मिले पर इस घर जैसा आदर नहीं मिलेगा।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वाह भाई! क्या आइडिया है। मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती,लेकिन चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है?

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयंप्रकाश

1. प्रस्तुत कथन के वक्ता का परिचय दें। [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन के वक्ता हालदार साहब हैं। वे अत्यंत भावुक और संवेदनशील होने के साथ एक देशभक्त भी हैं। उन्हें देशभक्तों का मज़ाक उड़ाया जाना पसंद नहीं है। वे कैप्टन की देशभावना के प्रति सम्मान और सहानुभूति रखते हैं।

2. प्रस्तुत कथन के श्रोता का परिचय दें। [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन का श्रोता पानवाला है। पानवाला पूरी की पूरी पान की दुकान है, सड़क के चौराहे के किनारे उसकी पान की दुकान है। वह काला तथा मोटा है, उसकी तोंद भी निकली हुई है, उसके सिर पर गिने-चुने बाल ही बचे हैं। वह एक तरफ़ ग्राहक के लिए पान बना रहा है, वहीं दूसरी ओर उसका मुँह पान से भरा है। पान खाने के कारण उसके होंठ लाल तथा कहीं-कहीं काले पड़ गए हैं। स्वभाव से वह मजाकिया है। वह बातें बनाने में माहिर है।

3. कस्बे से गुजरते समय हालदार साहब को क्या आदत पड़ गई थी? [3]

उत्तर : कस्बे से गुजरते समय हालदार साहब को उस कस्बे के मुख्य बाज़ार के चौराहे पर रुकना,पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखने की आदत पड़ गई थी।

4. मूर्ति का चश्मा हर-बार कौन और क्यों बदल देता था? [3]

उत्तर : मूर्ति का चश्मा हर-बार कैप्टन बदल देता था। कैप्टन असलियत में एक गरीब चश्मेवाला था। उसकी कोई दुकान नहीं थी। फेरी लगाकर वह अपने चश्मे बेचता था। जब उसका कोई ग्राहक नेताजी की मूर्ति पर लगे फ्रेम की माँग करता तो कैप्टन मूर्ति पर अन्य फ्रेम लगाकर वह फ्रेम अपने ग्राहक को बेच देता। इसी कारणवश मूर्ति पर कोई स्थाई फ्रेम नहीं रहता था।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'पर सब दिन न जात एक समान अकस्मात् दिन फिरे और सेठ जी को गरीबी का मुँह देखना पड़ा।'

पाठ - महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक - यशपाल

1. प्रस्तुत पाठ के आधार पर सेठ जी की विशेषताएँ बताइए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत पाठ लेखक यशपाल द्वारा रचित है। प्रस्तुत पाठ में सेठ जी कुछ ख़ास विशेषताओं का उल्लेख किया है। सेठजी बड़े विनम्र और उदार थे। सेठ जी इतने बड़े धर्मपरायण थे कि कोई साधू-संत उनके द्वार से निराश न लौटता, भरपेट भोजन पाता। उनके भंडार

का द्वार हमेशा सबके लिए खुला रहता। उन्होंने बहुत से यज्ञ किए और दान में न जाने कितना धन दीन दुखियों में बाँट दिया था। यहाँ तक की गरीब हो जाने के बावजूद भी उन्होंने अपनी उदारता को नहीं छोड़ा और पुन:धन प्राप्ति के बाद भी ईश्वर से सद्बुद्धि ही माँगी।

2. सेठजी के दुःख का कारण क्या था? [2]

उत्तर : सेठ जी के उदार होने के कारण कोई भी उनके द्वार से खाली नहीं जाता था परंतु अकस्मात् सेठ जी के दिन फिरे और सेठ जी को गरीबी का मुँह देखना पड़ा। ऐसे समय में संगी-साथियों ने भी मुँह फेर दिया और यही सेठ जी के दुःख का कारण था।

3. सेठानी ने सेठ को क्या सलाह और क्यों दी? [3]

उत्तर : उन दिनों एक प्रथा प्रचलित थी। यज्ञों के फल का क्रय-विक्रय हुआ करता था। छोटा-बड़ा जैसा यज्ञ होता, उनके अनुसार मूल्य मिल जाता। जब बहुत तंगी हुई तो एक दिन सेठानी ने सेठ को सलाह दी कि क्यों न वे अपना एक यज्ञ बेच डाले। इस प्रकार बहुत अधिक गरीबी आ जाने के कारण सेठानी ने सेठ को अपना यज्ञ बेचने की सलाह दी।

4. धन्ना सेठ की पत्नी के संबंध में क्या अफ़वाह थी? [3]

उत्तर : धन्ना सेठ की पत्नी के संबंध में यह अफ़वाह थी कि उसे कोई दैवीय शक्ति प्राप्त है जिससे वह तीनों लोकों की बात जान सकती है।

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाये
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाये
बाँकी चितवन उठा नदी, ठिठकी, घूँघट सरकाए।

कविता - मेघ आए
कवि-सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

1. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए? [2]
उत्तर : मेघ रूपी मेहमान के आने से हवा के तेज बहाव के कारण आँधी चलने लगती है जिससे पेड़ कभी झुक जाते हैं तो कभी उठ जाते हैं। दरवाजे खिड़कियाँ खुल जाती हैं। नदी बाँकी होकर बहने लगी। पीपल का वृक्ष भी झुकने लगता है, तालाब के पानी में उथल-पुथल होने लगती है, अंत में आसमान से वर्षा होने लगती है।

2. 'बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरकाए।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]
उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का भाव यह है कि मेघ के आने का प्रभाव सभी पर पड़ा है। नदी ठिठककर कर जब ऊपर देखने की चेष्टा करती है तो उसका घूँघट सरक जाता है और वह तिरछी नज़र से आए हुए आंगतुक को देखने लगती है।

3. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है? [3]

उत्तर : कवि ने मेघों में सजीवता लाने के लिए बन ठन की बात की है। जब हम किसी के घर बहुत दिनों के बाद जाते हैं तो बन सँवरकर जाते हैं ठीक उसी प्रकार मेघ भी बहुत दिनों बाद आए हैं क्योंकि उन्हें बनने सँवरने में देर हो गई थी।

4. शब्दार्थ लिखिए - बन ठन के, बाँकी चितवन, पाहून, ठिठकना [3]

उत्तर : बन ठन के - सज-धज के

बाँकी चितवन - तिरछी नजर

पाहून - अतिथि

ठिठकना - सहम जाना

गरदन - ग्रीवा

बयार - हवा

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
झरने अनेक झरते जिसकी पहाड़ियों में,
चिड़िया चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।
अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है,
बहती मलय पवन है, तन मन सँवारती है।
वह धर्मभूमि मेरी, वह कर्मभूमि मेरी।

कविता - वह जन्मभूमि मेरी
कवि - सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि ने भारत के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया है? [2]

उत्तर : कवि ने भारत के लिए जन्मभूमि, मातृभूमि, धर्मभूमि तथा कर्मभूमि विशेषणों का प्रयोग किया है।

2. झरने कहाँ झरते हैं? [2]

उत्तर : झरने भारत माता की पवित्र पहाड़ियों पर झरते हैं।

3. भारत की हवा कैसी है? उसका हम पर क्या प्रभाव होता है? [3]

उत्तर : भारत में बहने वाली हवा सुगंधित है। यह हमारे तन-मन को सँवारती है।

4. शब्दार्थ लिखिए :

1. अमराइयाँ, मलय, पवन, घनी, तन, कोयल [3]

उत्तर : अमराइयाँ - आम के पेड़ों के बाग

मलय - पर्वत का नाम

पवन - हवा

घनी - सघन

तन - शरीर

कोयल - पिक

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गुरु गोबिंद दोऊ खड़े, काके लागू पायँ।
बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोबिंद दियौ बताय॥
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि॥

कविता - साखी

कवि - कबीरदास

1. कबीर के गुरु के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : कबीरदास ने गुरु का स्थान ईश्वर से श्रेष्ठ माना है। कबीर कहते है जब गुरु और गोविंद (भगवान) दोनों एक साथ खडे हो तो गुरु के श्रीचरणों मे शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रुपी प्रसाद से गोविंद का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुरु ज्ञान प्रदान करते हैं, सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, मोह-माया से मुक्त कराते हैं।

2. कबीर के अनुसार कौन परमात्मा से मिलने का रास्ता दिखाता है? [2]

उत्तर : कबीर के अनुसार गुरु परमात्मा से मिलने का रास्ता दिखाता है।

3. 'जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।' - का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : इस पंक्ति द्वारा कबीर का कहते है कि जब तक यह मानता था कि 'मैं हूँ', तब तक मेरे सामने हरि नहीं थे। और अब हरि आ प्रगटे, तो मैं नहीं रहा। अँधेरा और उजाला एक साथ, एक ही समय, कैसे रह सकते हैं? जब तक मनुष्य में अज्ञान रुपी अंधकार छाया है वह ईश्वर को नहीं पा सकता अर्थात् अहंकार और ईश्वर का साथ-साथ रहना नामुमकिन है। यह भावना दूर होते ही वह ईश्वर को पा लेता है।

4. यहाँ पर 'मैं' और 'हरि' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? [3]

उत्तर : यहाँ पर 'मैं' और 'हरि' शब्द का प्रयोग क्रमशः अहंकार और परमात्मा के लिए किया है।

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो पाती तो कुल धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती। स्वयं उसने मुझसे कहा था, संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है।

एकांकी-संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रहा और क्यों? [2]

उत्तर : यहाँ पर अतुल और अविनाश की माँ हिन्दू समाज की रूढ़िवादी संस्कारों से ग्रस्त हैं। वे संस्कारों की दास हैं। एक मध्यम परिवार में अपने पुराने संस्कारों की रक्षा करना धर्म माना जाता है। इसलिए माँ संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रही।

2. माँ ने अपने विचारों के प्रति क्या पश्चाताप किया है? [2]

उत्तर : माँ ने अपने रूढ़ीवादी विचारों के कारण अपने बेटे-बहू से बिछड़ने का पश्चाताप किया है।

3. अतुल और उमा माँ के किस निर्णय से प्रसन्न हैं? [3]

उत्तर : जब माँ को अविनाश की पत्नी की बीमारी की सूचना मिलती है तब उसका हृदय मातृत्व की भावना से भर उठता है। उसे इस बात का आभास है कि यदि बहू को कुछ हो गया तो अविनाश नहीं बचेगा। माँ को पता है कि अविनाश को बचाने की शक्ति

केवल उसी में है। इसलिए वह प्राचीन संस्कारों के बाँध को तोड़कर अपने बेटे के पास जाना चाहती है।

4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

उत्तर : अविनाश की वधू बहुत भोली और प्यारी थी, जो उसे एक बार देख लेता उसके रूप पर मंत्रमुग्ध हो जाता। बड़ी-बड़ी काली आँखें उनमें शैशव की भोली मुस्कराहट उसके रूप तथा बड़ों के प्रति आदर के भाव ने अतुल और उमा को प्रभावित किया।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'तुम कभी रात में अकेले नहीं जाओगे। चारों तरफ़ जहरीले सर्प घूम रहे हैं। किसी समय भी तुम्हें डस सकते हैं।'

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. वक्ता कौन है? उसका परिचय दीजिए। [2]

उत्तर : वक्ता पन्ना धाय है।वह स्वर्गीय महाराणा साँगा की स्वामिभक्त सेविका है। वह कर्तव्यनिष्ठ तथा आदर्श भारतीय नारी है।वह हमेशा कुँवर की सुरक्षा का ध्यान रखती है।

2. श्रोता कौन है? उसका वक्ता से क्या संबंध है? [2]

उत्तर : श्रोता स्वर्गीय महाराणा साँगा का सबसे छोटा पुत्र है। उसकी माँ की मृत्यु के पश्चात से पन्ना धाय जोकि महाराज की सेविका थी उसने उसे माँ की तरह पाला।

3. वक्ता के उपर्युक्त कथन कहने के पीछे क्या कारण था? [3]

उत्तर : महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा। इस वजह से कुँवर उदय सिंह की जान को खतरा बढ़ जाने से पन्ना धाय ने उपर्युक्त कथन कहा।

4. वक्ता श्रोता की सुरक्षा के प्रति चिंतित क्यों रहती थी? [3]

उत्तर : वक्ता पन्ना धाय एक देशभक्त राजपूतनी थी तथा अपने राजा के उत्तराधिकारी की रक्षा करना वह परम कर्तव्य समझती थी। महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा। इसलिए पन्ना धाय कुँवर उदय सिंह की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती थी।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जिस राज्य पर रत्ती भर भी अधिकार नहीं था, उसी को पाने के लिए तुमने युद्ध ठाना, यह स्वार्थ का तांडव नृत्य नहीं तो और क्या है? भला किस न्याय से तुम राज्याधिकार की माँग करते थे?

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता तथा श्रोता के बारे में बताइए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण के वक्ता युधिष्ठिर और श्रोता दुर्योधन है। इस समय वक्ता युधिष्ठिर मरणासन्न श्रोता दुर्योधन को शांति प्रदान करने के उद्देश्य से आए हैं। इस समय दोनों के मध्य उचित अनुचित विचारों पर वार्तालाप चल रहा है।

2. उपर्युक्त अवतरण में किस अधिकार की बात की जा रही है? [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण में राज्य के वास्तविक उत्तराधिकारी के संदर्भ में बात की जा रही है। यहाँ पर युधिष्ठिर का कहना है कि राज्य पर उनका वास्तविक अधिकार था यह जानते हुए भी दुर्योधन यह मानने के लिए कभी तैयार नहीं हुआ और इस कारण परिवार में ईर्ष्या और और झगड़े बढ़कर अंत में महाभारत के युद्ध में तब्दील हो गए।

3. प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य लिखिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य यह है कि आप चाहे कितने भी कूटनीतिज्ञ, बलवान और बुद्धिमान क्यों न हो परंतु यदि आप का रास्ता धर्म का नहीं है तो आपका अंत होना निश्चित है। साथ यह एकांकी मनुष्य को त्याग और सहनशीलता का पाठ भी पढ़ाती है। यही वे दो मुख्य कारण थे जिसके अभाव में महाभारत का युद्ध लड़ा गया। इसके अतिरिक्त इस एकांकी का एक और उद्देश्य यह भी दिखाना था कि इस युद्ध के लिए कौरव और पांडव दोनों ही पक्ष बराबर जिम्मेदार थे।

4. महाभारत के युद्ध से हमें कौन-सी सीख मिलती है? [3]

उत्तर : महाभारत का युद्ध तो शुरू से लेकर अंत तक सीखों से ही भरा पड़ा हैं परंतु मुख्य रूप से यह युद्ध हमें यह सीख देता है कि कभी भी पारिवारिक धन-संपत्ति के लिए अपने ही भाईयों से

ईर्ष्या और वैमनस्य नहीं रखना चाहिए क्योंकि इस प्रकार के लड़ाई-झगड़े में जीत कर भी हार ही होती है।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह समझ नहीं पा रही थी कि हमारे समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों? यदि कोई लड़का अकेला रहता है तो समाज उस पर अंगुलियाँ नहीं उठाता, चाहे वह कितना ही अपराध क्यों न करता हो परंतु एक लड़की,चाहे वह कितना ही संयम शील जीवन क्यों न व्यतीत करती हो, फिर भी समाज उस पर दोषारोपण करता है।

1. किसी बातें सुनकर वक्ता इतनी परेशान है? [2]

   उत्तर : मीनू जहाँ रहती थी वहीँ पर उनके पड़ोस में एक महिला रहती थी जिसे मीनू मौसी के नाम से संबोधित करती थी। यह पड़ोस वाली मौसी उसे एक दिन बस में मिल जाती है। वह एक अन्य महिला के साथ मीनू के अभी तक अविवाहित रहने की बात करती है और यह बातें सुनकर वह आहत हो जाती है।

2. समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों है? [2]

   उत्तर : हमारे समाज में पहले से ही लड़की और लड़के में अंतर किया जाता रहा है। लड़का कितनी भी गलती करें उसे कभी कोई कुछ नहीं कहता परंतु यदि लड़की छोटी भी गलती करे तो पूरा समाज उस पर दोषारोपण करने लगता है।

3. लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ क्यों आती है? [3]

उत्तर : बचपन से ही लड़की को लड़कों से कम समझा और आँका जाता है इसलिए जब कभी कोई लड़की लड़कों के साथ बराबरी या कुछ अलग करने की कोशिश करती है तो पूरा समाज उसके विरुद्ध खड़ा हो जाता है इसलिए लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ आती है।

4. इन पक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए? [3]

उत्तर : इन पंक्तियों का भाव लड़का और लड़की में भेद से है। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि इस भेद के कारण लड़की अपने आप को कम समझने लगती है। उसके छोटे से भी अपराध को बहुत बढ़ा चढ़ा कर पेश किया जाता है उसी जगह पर लड़का कितना भी अपराध क्यों न करे उसे कोई कुछ नहीं कहता है।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]

उत्तर : घर लौटने पर माया राम का इंतजार उनके ही शहर के के एक धनी व्यक्ति कर रहे थे। उनकी बेटी सरिता विवाह योग्य हो गई थी अत: वे मायाराम के पास अपनी बेटी सरिता का रिश्ता लेकर आए थे।

2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]

उत्तर : अमित ने जब अपनी माँ से यह जानना चाहा कि क्या बड़े घर की बेटी उनके घर के वातावरण में मीनू की तरह घुल-मिल पाएँगी तो माँ ने जवाब दिया कि हम किसी के व्यवहार के बारे में तब तक कुछ नहीं बता सकते जब तक हम उनके साथ नहीं रहते। फिर चाहे लड़की छोटे घर की हो या बड़े घर की।

3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]

उत्तर : घर वाले अमित के लिए आए धनी सरिता का रिश्ता ठुकराना नहीं चाहते थे परंतु उनके सामने यह समस्या खड़ी हो गई कि मीनू का रिश्ता किस प्रकार ठुकराया जाय। तभी माताजी को एक युक्ति सूची कि मीनू का रिश्ता यह कहकर ठुकराया जाय कि मीनू की अपेक्षा उन्हें उनकी छोटी बेटी आशा पसंद है। यदि वे शादी करना चाहते ही हैं तो आशा के साथ अमित की शादी करवाँ दें। अब यह तो सबको पता है कि बड़ी बेटी के होते कोई अपनी छोटी बेटी का विवाह पहले नहीं करेगा और अत: बिना ना कहे भी यह रिश्ता न होगा।

4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

उत्तर : अमित के पिता की मन:स्थिति विकल हो गई क्योंकि वे भी स्वयं एक बेटी के पिता थे और यह समझते थे कि बेटी का रिश्ता ठुकराया जाना क्या होता है। इसलिए मीनू के पिता को पत्र रिश्ता ठुकराने का पत्र भेजने के बाद उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी नीलिमा ने मीनू को शादी के बारे में पूछ लिया, "मीनू, तू शादी नहीं कर रही है अभी? मैंने सुना है आशा का रिश्ता हो गया है।"

"हाँ नीलिमा ! आशा का रिश्ता हो गया है। लड़का इंजीनियर है। घर भी अच्छा है।"

"पर मीनू, तू शादी के लिए तैयार क्यों नहीं है?" "नीलिमा ने पूछा।

"नीलिमा, अब मैं कुछ निराश सी हो गई हूँ। कौन करेगा मुझसे शादी?"

1. नीलिमा कौन है? वह मीनू को राय क्यों दे रही है? [2]

   उत्तर : नीलिमा मीनू की हमउम्र और उसकी अभिन्न मित्र है। वह मीनू को विवाह करने की सलाह दे रही है। नीलिमा को जब पता चलता है कि मीनू की छोटी बहन का रिश्ता तय हो गया है और मीनू ने शादी न करने का निर्णय लिया है तो उसे विवाह समय पर करने की राय देती है।

2. शादी के नाम से मीनू उदास क्यों हो जाती है? [2]

   उत्तर : मीनू का रिश्ता कई बार साधारण रंग-रूप होने के कारण ठुकराया जा चुका है इसलिए जब उसकी सहेली नीलिमा उसकी शादी के विषय में पूछताछ करती है तो वह उदास हो जाती है।

3. नीलिमा उसकी शादी के लिए उत्साहित क्यों है? [3]

   उत्तर : नीलिमा और मीनू हमउम्र सहेलियाँ हैं। नीलिमा की शादी हो चुकी है और वह चाहती है कि उसकी सहेली मीनू का भी विवाह हो जाय इसलिए वह उसकी शादी के लिए उत्साहित है।

4. "कौन करेगा मुझसे शादी?" भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर नीलिमा के प्रश्न के उत्तर में मीनू के मुँह से यह उद्गार निकलते हैं। मीनू का रिश्ता बहुत बार ठुकराया जा चुका था उसे अब अपने विवाह की कोई उम्मीद नहीं बची थी ऐसे में अपनी सहेली के इस प्रश्न से वह निराश हो जाती है और कहती है कि अब कौन उसके साथ शादी करेगा।